(क) औद्योगिक विकास विभाग द्वारा प्रदेश के शिक्षित नव युवकों को रोजगार मुहैया कराए जाने के उददेश्य से बहुआयामी प्रयास किए जा रहे है। निजी निवेश आकर्षित किए जाने के उददेश्य से रोजगार परक नीतियां निर्धारित की गई है, जिसमें आकर्षक वित्तीय प्रोत्साहन एवं अन्य सुविधाएं प्राविधानित की गई है। उक्त नीतियों के प्रख्यापन के परिणाम स्वरूप उ0प्र0 प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में उदित हुआ है।

वर्ष 2018 में इन्वेस्टर समिट-2018 आयोजित किया गया है जिसमें बहुत सारी औद्योगिक समूहों द्वारा निवेश के प्रस्ताव दिए गए है, जिसके क्रम में कुल 1045 समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए गए। उक्त निवेश प्रस्तावों को धरातल पर क्रियान्वयन हेतु तीन ग्राउण्ड ब्रेकिंग समारोह क्रमशः जुलाई 2018, जुलाई, 2019 तथा जून, 2022 में आयोजित किया गया था। इन्वेस्टर समिट-2018 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन/निवेश प्रस्तावों में से 70 प्रतिशत के उपर निवेश प्रस्ताव धरातल पर क्रियान्वित हो चुके है और धरातल पर औद्योगिक इकाईयां क्रियाशील होकर धरातल पर अपना कार्य प्रारम्भ कर चुकी हैं।

वर्ष 2022 में तृतीय ग्राउण्ड ब्रेकिंग समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें कुल 1406 औद्योगिक इकाईयों द्वारा प्रतिभाग किया गया था, जिसमें से 579 औद्योगिक इकाईयों द्वारा अपना वाणिज्यिक उत्पादन धरातल पर प्रारम्भ कर दिया गया है, जिसके फलस्वरूप 2,20,805 रोजगार सृजित हुआ है।

पुनः माह फरवरी, 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 का आयोजन किया गया। लगभग रू0 33,52,553.02 करोड के निवेश के प्रस्ताव के लगभग 19,250 एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किये गये हैं, जिसके क्रम में औद्योगिक विकास विभाग द्वारा फरवरी, 2024 में चतुर्थ ग्राउण्ड ब्रेकिंग समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें कुल 14,701 औद्योगिक इकाईयों द्वारा प्रतिभाग किया गया था। उक्त औद्योगिक इकाईयों के निवेश आशय के फलस्वरूप कुल 33,58,914 रोजगार

सृजन सम्भावित था। चतुर्थ ग्राउण्ड ब्रेकिंग समारोह में सम्मिलित परियोजनोओं /इकाईयों में से रू0 2,78,476.00 करोड के निवेश के साथ कुल 7382 परियोजनाओं द्वारा अपना वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ कर दिया गया है, जिसमें 15,53,943 रोजगार सृजित हुआ है।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र में औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को सुलभ बनाने हेतु बुन्देलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। उक्त क्षेत्र में औ द्योगिक इकाईयों की स्थापना के फलस्वरूप वृहद पैमाने पर रोजगार सृजन की सम्भावना है।

(ख) उक्त विवरण की 20 प्रतियां मा0 सदन के पटल पर रख दी गई है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

नन्द गोपाल गुप्ता "नन्दी"
मंत्री,
औद्योगिक विकास विभाग |